

विषय-सूची

अध्याय :

पृष्ठ संख्या :

- | | | |
|----|--------------------------------------|---------|
| 1. | बिहार के एक गाँव की कहानी | 1 - 21 |
| 2. | मानव एक संसाधन | 22-48 |
| 3. | गरीबी | 49-74 |
| 4. | बेकारी | 75-96 |
| 5. | कृषि, खाद्यान्न सुरक्षा एवं गुणवत्ता | 97-119 |
| 6. | कृषक मजदूर | 120-137 |

संरक्षण

- श्री हसन वारिस, निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना
- श्री रघुवंश कुमार, निदेशक, (शैक्षणिक) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक प्रभाग) पटना
- डॉ० सैयद अब्दुल मुईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
- श्री राम तवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

पाठ्यपुस्तक विकास समिति

- डॉ० विनय कुमार सिंह व्याख्याता, अर्थशास्त्र विभाग, एस.एम.डी. कॉलेज, पुनपुन, पटना (मगध विश्वविद्यालय)
- श्री प्रवीण कुमार व्याख्याता, अर्थशास्त्र विभाग, एस. यू. कॉलेज, हिलसा, (मगध विश्वविद्यालय)
- श्रीमति विभा कुमारी उच्चतर माध्यमिक शिक्षिका, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजेन्द्र नगर, पटना
- सुश्री प्रीति कुमारी उच्चतर माध्यमिक शिक्षिका, बलदेव इण्टर विद्यालय, दानापुर कैन्ट, पटना
- श्री आशीष कुमार माध्यमिक शिक्षक, राजकीयकृत उच्च विद्यालय, बीर ओईयारा, पटना

अकादमिक सहयोग

- प्रोफेसर (डॉ०) घनश्याम नारायण सिंह, पूर्व प्रोफेसर, स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया एवं अवैतनिक कार्यकारी निदेशक, नेशनल इन्स्टीच्यूट फॉर रीसर्च ऑन अनआर्गनाइज्ड सेक्टर (NIRUS), मुम्बई ।

यह पुस्तक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 के आलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम (2008) के आधार पर तैयार की गयी है। नवीन पाठ्यक्रम (New Syllabus) का मुख्य उद्देश्य प्राप्त ज्ञान को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़कर देश तथा अपने राज्य की आर्थिक समस्याओं के समाधान में विद्यार्थियों की रुचि विकसित करना है।

इस पुस्तक के माध्यम से कक्षा-9 के विद्यार्थियों की बोध-शक्ति एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सरल, बोधगम्य तथा स्पष्ट शब्दों में बिहार तथा भारतीय अर्थव्यवस्था की जानकारी देने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में उपलब्ध आँकड़ों की सहायता से विभिन्न आर्थिक तथ्यों की व्याख्या की गयी है लेकिन इस बात को सदा ध्यान में रखा गया है कि अनावश्यक आँकड़ों में उलझकर विद्यार्थी इस विषय में अपनी रुचि खो न दे। बिहार तथा भारतीय अर्थव्यवस्था के अध्ययन को प्रारंभिक विद्यार्थियों के लिए रोचक एवं लाभदायक बनाना ही इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य है।

इस पुस्तक को रोचक पूर्ण तथा सरल बनाया गया है। विद्यार्थियों की सुविधा एवं विषय की तैयारी के लिए प्रत्येक अध्याय के अंत में परीक्षा संबंधी मानक प्रश्न दिए गए हैं।

इस पुस्तक के अंतिम अध्याय में अपने बिहार का सपूत तथा मॉरिशस के राष्ट्रपिता सर शिवसागर राम गुलाम तथा उनके पिता मोहित राम गुलाम के बारे में जिक्र किया गया है जो इस पुस्तक की लोकप्रियता को बढ़ाता है।

इस पुस्तक के लेखन तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए डॉ० विनय कुमार सिंह, व्याख्याता, अर्थशास्त्र विभाग, एस० एम० डी० कॉलेज, पुनपुन, पटना, डॉ० प्रवीण कुमार, व्याख्याता, अर्थशास्त्र विभाग, एस० यू० कॉलेज, हिलसा, श्रीमति विभा कुमारी, शिक्षिका, उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजेन्द्र नगर,

पटना, सुश्री प्रीति कुमारी, शिक्षिका, बलदेव इण्टर विद्यालय, दानापुर कैन्ट, पटना तथा श्री आशीष कुमार, शिक्षक, राजकीयकृत उच्च विद्यालय, बीर ओईयारा, पटना के प्रति हम विशेष आभार प्रकट करते हैं। इन सबों ने गहरी सूझबूझ, अथक् परिश्रम और भावनात्मक लगाव के साथ इस कार्य को तत्परतापूर्वक संपन्न किया। डॉ० घनश्याम नारायण सिंह, पूर्व प्रोफेसर, स्नातकोत्तर, अर्थशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया के प्रति भी हम काफी आभारी हैं जिन्होंने अपने रचनात्मक सुझावों तथा परामर्शों से हमें लाभान्वित किया। साथ ही डॉ० सैयद अब्दुल मुईन, विभागाध्यक्ष अध्यापन शिक्षा तथा श्री रामतवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष, मानविकी के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनके सहयोग से यह पुस्तक तैयार हो सकी है। परिषद् के सभी संकाय सदस्यों तथा अन्य सभी कर्मियों के प्रति हम आभार प्रकट करते हैं। श्री विजय कुमार के प्रति भी हम आभार प्रकट करते हैं जिनका सहयोग हमें समय-समय पर मिला है।

पुस्तक आपके हाथों में है। आशा है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सामान्य पाठकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करेगी तथा उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी। पाठकों एवं शिक्षकों द्वारा बतलायी गयी त्रुटियों तथा उनके सुझावों का मैं हार्दिक स्वागत करूँगा।

हसन वारिस

निदेशक (प्रभारी)

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

विषय-सूची

अध्याय :

पृष्ठ संख्या :

- | | | |
|----|--------------------------------------|---------|
| 1. | बिहार के एक गाँव की कहानी | 1 - 21 |
| 2. | मानव एक संसाधन | 22-48 |
| 3. | गरीबी | 49-74 |
| 4. | बेकारी | 75-96 |
| 5. | कृषि, खाद्यान्न सुरक्षा एवं गुणवत्ता | 97-119 |
| 6. | कृषक मजदूर | 120-137 |